वसन्त महिला महाविद्यालय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत
कृष्णमूर्ति फॉउण्डेशन इण्डिया, राजघाट फोर्ट, वाराणसी

वार्षिक प्रतिवेदन
2017–18

अनुशासन का मूल अर्थ रूढ़ि से मेल स्थापित करना, दमन करना, अनुकरण करना आदि नहीं होता, बल्कि इसका अर्थ होता है, सीखने की प्रक्रिया। और सीखने के लिए केवल ज्ञान इकट्ठा करना काफी नहीं होता। वह तो कोई मशीन सीख नहीं सकती। यहाँ तक कि इलेक्ट्रानिक मस्तिष्क भी नहीं सीख सकता। कंप्यूटर तथा इलेक्ट्रानिक मस्तिष्क केवल ज्ञान की जानकारी का संग्रह करके उसे आपको वापस लौटा सकते हैं। अतः सीखने की क्रिया ही अनुशासन की क्रिया है, और यह समझना बहुत जरूरी है।

– जे. कृष्णमूर्ति

वाराणसी के प्राचीनतम् शिक्षण संस्थानों में एक वसंत महिला महाविद्यालय (स्थापित सन् 1913) विश्वविख्यात संस्था ''कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन इण्डिया'' के संरक्षण में संचालित है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध यह संस्था यूजीसी (UGC) के अधिनियम 1956 की धारा 2(f) एवं 12(b) के तहत मान्यता प्राप्त है।

प्रख्यात् दार्शनिक जे. कृष्णमूर्ति की विचारधारा से अनुप्राणित यह महाविद्यालय भारत के महान विचारको जैसे डॉ0 एनी बेसेन्ट, श्री जे0 कृष्णमूर्ति तथा भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय इत्यादि की तपोभूमि है। स्त्री–शिक्षा की दिशा में उत्तरोत्तर विकासमान यह संस्था वैश्विक मनुष्य की संकल्पना के साथ मानवीय मूल्यों, करूणा, सहिष्णुता के भाव को पोषित करता है। वैश्विक संकट के मध्य यह महाविद्यालय अपने चिंतन में भगवान बुद्ध के ''*अप्प दीपो भव*'' के चिंतन को आत्मसात किए हुए है।

पाठ्यक्रम

महाविद्यालय अनवरत रूप से भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के साथ ही सामाजिक विज्ञान, कला, शिक्षाशास्त्र एवं वाणिज्य में निम्न पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों एवं परीक्षा कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के एकेडमिक कैलेण्डर के अनुसार होता है।

क्रम सं0	पाठ्यक्रम	विषय
1	स्नातक	हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति और पुरातत्व, गृह विज्ञान, दर्शनशास्त्र, भूगोल, संगीत (गायन/वादन), चित्रकला, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मनोविज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा शास्त्र
2	परास्नातक	हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र
3	शोध (पी0एच0डी0)	हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान
4	सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं एडवांस डिप्लोमा कार्यक्रम (यू0जी0सी कैरियर ओरिएण्टेड कार्यक्रम)	ट्रेवेल एवं टूरिज्म मैनेजमेण्ट, मॉस कम्यूनिकेशन्स

सत्र 2017–18 का आरंभ 10 जुलाई 2017 को हुआ। प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात् प्राचार्या डॉ. अलका सिंह ने नवागत छात्राओं का स्वागत करते हुए उन्हें महाविद्यालय की ऐतिहासिक परम्परा एवं श्री जे0 कृष्णमूर्ति एवं डा0 एनी बेसेन्ट के योगदान से परिचित कराया।

परीक्षा परिणाम/योग्यता सूची

महाविद्यालय ने अपने पूर्व अकादमिक उत्कृष्टता की गौरवशाली परंपरा को सफलतापूर्वक बनाए रखा। सत्र 2016–17 में छात्राओं का परीक्षा परिणाम संतोषजनक रहा। महाविद्यालय की कई छात्राओं ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की योग्यता सूची में अपना नाम दर्ज कराया। जिनका विवरण निम्न है–

1.	सोहिनी चक्रवर्ती	भूगोल (परास्नातक)	प्रथम	**प्रो. आर.एल. सिंह स्वर्ण पदक** परास्नातक (भूगोल) अंतिम वर्ष परीक्षा 2017 में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु प्राप्त किया। **बी.एच.यू. पदक** परास्नातक (भूगोल) अंतिम वर्ष परीक्षा 2017 में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु प्राप्त किया।
2.	इशिता सिन्हा	अंग्रेजी (स्नातक) आनर्स, कला वर्ग	प्रथम	**सुश्री सौमित्रा दत्त मेमोरियल स्वर्ण पदक** अंग्रेजी स्नातक अंतिम वर्ष परीक्षा 2017 में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु प्राप्त किया। **बी.एच.यू. पदक** अंग्रेजी स्नातक अंतिम वर्ष परीक्षा 2017 में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु प्राप्त किया। **श्री दुर्गा दत्त ईश्वरी दत्त पुरस्कार** 100 रु. अंग्रेजी स्नातक अंतिम वर्ष परीक्षा 2017 में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु प्राप्त किया।
3.	सोनल सिंह	संगीत–वादन आनर्स (स्नातक कला वर्ग)	प्रथम	**बी.एच.यू. पदक** एवं **बी.एच.यू. म्यूजिक एसोसिएसन पुरस्कार 100 रु**. संगीत–वादन स्नातक अंतिम वर्ष परीक्षा 2017 में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु प्राप्त किया।
4.	ज्योति मिश्रा	संगीत–गायन आनर्स (स्नातक कला वर्ग)	प्रथम	**बी.एच.यू. पदक** संगीत–गायन स्नातक अंतिम वर्ष परीक्षा 2017 में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु प्राप्त किया।
5.	चमन आरा	उर्दू आनर्स (स्नातक कला वर्ग)	प्रथम	**बी.एच.यू. पदक** उर्दू स्नातक अंतिम वर्ष परीक्षा 2017 में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु प्राप्त किया।
6.	सुरभि सिंह	मनोविज्ञान आनर्स (स्नातक सामाजिक विज्ञान वर्ग)	प्रथम	**पूनम मेमोरियल स्वर्ण पदक** महिला छात्राओं में मनोविज्ञान स्नातक अंतिम वर्ष परीक्षा 2017 में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु प्राप्त किया।

महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम 60 से 100 प्रतिशत रहा।

स्नातक (तृतीय वर्ष)	**परिणाम प्रतिशत**	**स्नातक** (तृतीय वर्ष)	**परिणाम प्रतिशत**	**परास्नातक** (द्वितीय वर्ष)	**परिणाम प्रतिशत**	**सर्टिफिकेट, डिप्लामा एवं एडवांस डिप्लोमा**	**परिणाम प्रतिशत**
प्रा0 भा0 इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व	82.5	चित्रकला	60.0	हिन्दी	100.0	ट्रेवेल एवं टूरिज्म मैनेजमेण्ट	100.0
अर्थशास्त्र	84.8	दर्शन शास्त्र	88.9	अंग्रेजी	87.1	मॉस कम्युनिकेशन्स	100.0
अंग्रजी	87.2	राजनीति विज्ञान	74.1	भूगोल	100.0		
भूगोल	86.8	मनोविज्ञान	86.4	मनोविज्ञान	82.6		
हिन्दी	89.7	संस्कृत	77.8	अर्थशास्त्र	92.6		
इतिहास	83.3	समाजशास्त्र	85.2	इतिहास	85.7		
गृह विज्ञान	85.7	उर्दू	85.7				
संगीत– वादन	100.0	बी.काम.	98.7				
संगीत– गायन	75.0	बी.एड.	100.0				

एम0एड0 कोर्स का संचालन

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.) जयपुर से मान्यता मिलने के बाद महाविद्यालय द्वारा सत्र 2017–18 से एम0एड0 पाठ्यक्रम का संचाल आरम्भ हो गया। प्रथम बैच में 35 छात्राओं ने प्रवेश लिया।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से निरीक्षण टीम का आगमन

महाविद्यालय द्वारा नए पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को भेजे गए प्रस्ताव की जाँच हेतु 25 अक्टूबर 2017 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से एक निरीक्षण टीम का आगमन हुआ। यह विषय निम्न हैं –

- परास्नातक : राजनीतिशास्त्र, गृह विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व, चित्रकला और सामाजिक विज्ञान एवं एम0बी0ए
- स्नातक : कृषि विज्ञान
- डिग्री, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कोर्स : फ्रेंच भाषा

समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0)

- 15 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय ने इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ नालेज मैनेजमेण्ट (प्रा.) लिमिटेड, श्रीलंका के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक सहभागी के रूप में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। **'फ्यूचर आफ वोमेन 18'** विषयक यह सम्मेलन कुआलालाम्पुर, मलेशिया में आयोजित किया गया।

- 4 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय एवं देशपाण्डे फाउण्डेशन की लीड (लीडर एक्सेलेरेटिंग डेवलपमेंट : एक सोच सैण्डबाक्स), आई.आई.टी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के मध्य एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुआ। इसमें लीड टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए श्री अजय सुमन एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डा0 अलका सिंह ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला

- 16–17 मार्च, 2018 : महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में '**गांधीः चम्पारण और परे**' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. राज मोहन गाँधी, प्रख्यात इतिहासविद् एवं जीवनी लेखक, मिशिगन राज्य विश्वविद्यालय, अमेरिका ने बीज वक्तव्य दिया। उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन प्रो. रामजी सिंह, भूतपूर्व कुलपति, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनू, राजस्थान ने दिया। इस संगोष्ठी में अन्य राज्यो से आए विद्वतजनों ने भी अपने विचार व्यक्त किए, जिनमें प्रमुख हैं :– श्री सच्चिदानंद सिन्हा, समाजवादी चिन्तक एवं लेखक, मुजफ्फरपुर, श्री कुमार प्रशांत, गाँधी पीस फाउण्डेशन, नई दिल्ली, श्री अरविन्द मोहन, पत्रकार, नई दिल्ली, श्री अफलातून, सचिव, समाजवादी जनपरिषद, वाराणसी, श्री सुनील सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, विद्याश्रम, सारनाथ, वाराणसी, श्री नारायण मुनी, सामाजिक कार्यकर्त्ता, पूर्वी चम्पारण, बिहार, सुश्री शुभ्रा, बनवासी सेवा आश्रम, सोनभद्र, श्री अमरनाथ भाई, भूतपूर्व अध्यक्ष, अखिल भारतीय सर्व सेवा संघ, वाराणसी, सुश्री सुजाता चौधरी, प्रख्यात लेखिका, भागलपुर, बिहार, प्रो. अवधेश प्रधान, हिन्दी विभाग, का.हि.वि.वि., प्रो. राधा भट्ट एवं सुश्री आशा, कस्तूरबा महिला उत्थान मण्डल, लक्ष्मी आश्रम, कौसानी, उत्तराखण्ड, श्री शत्रुघ्न झा, संस्थापक, विश्व मानव सेवा आश्रम, नरकटियागंज, बिहार, डॉ. सौरभ वाजपेयी, इतिहास विभाग, देशबन्धु कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. जगदीश एन. सिन्हा, भूतपूर्व सहप्राध्यापक, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं प्रो. राम प्रकाश द्विवेदी, निदेशक, गाँधी अध्ययन पीठ, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी। इस संगोष्ठी के समापन सत्र में श्री सच्चिदानंद सिन्हा, समाजवादी चिन्तक एवं लेखक, मुजफ्फरपुर, प्रो. सुचेता महाजन, ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एवं प्रो. राजीव संगल, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, का.हि.वि.वि. ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

- 23–24 फरवरी 2018 : महाविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (आई0क्यू0ए0सी0) द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यानयन परिषद (नैक), बैंगलोर के संयुक्त तत्वाधान में ''**उच्च शिक्षा में शिक्षण, अधिगम एवं मूल्यांकन की गुणवत्ता में अभिवृद्धि**'' विषयक दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बीज वक्तव्य प्रो. के.पी. पाण्डेय निदेशक, सोसाइटी फॉर हायर एजुकेशन एंड प्रैक्टिकल एप्लिकेशन (SHEPA), वाराणसी एवं भूतपूर्व उप–कुलपति, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने दिया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एन. सामतेन, कुलपति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने अपना अभिभाशण दिया एवं मूल्यांकन की निरन्तर विधियों के सुझाव दिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. हरिकेश सिंह, माननीय कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा ने अपना सम्बोधन प्रस्तुत किया। प्रो. आर.पी. शुक्ला, संकायप्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने भी अपने विचार उद्घाटन सत्र में प्रस्तुत किये। इसके अतिरिक्त अन्य गणमान्य जन जिन्होंने अपनी उपस्थिति से इस संगोष्ठी को सफल बनाया उनमें प्रमुख हैं– डॉ. शारदिन्दू, भूतपूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली, डॉ. जगदीश सिंह, सचिव, प्रदेश शैक्षणिक संघ, वाराणसी, प्रो. सीमा सिंह, शिक्षा संकाय, का.हि.वि.वि., डॉ. दीनानाथ सिंह, भूतपूर्व अध्यक्ष, प्रदेश, वाराणसी, प्रो. गोपाल प्रसाद नायक, शिक्षा संकाय, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, डॉ. गरिमा सिंह, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, यू.पी. कालेज, वाराणसी, डॉ. जे.पी. श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य, शिक्षा संस्थान, सेपा, वाराणसी, प्रो. सुनील कुमार सिंह, शिक्षा संकाय, का.हि.वि.वि. एवं प्रो. रश्मि चौधरी, शिक्षा संकाय, का.हि.वि.वि.। इस संगोष्ठी के समापन समारोह में प्रो. के.एस. मिश्रा, शिक्षा संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो. सरोज पाण्डेय, निदेशक, स्कूल आफ एजुकेशन, इग्नू (IGNOU), नई दिल्ली एवं प्रो. कल्पना पाण्डेय, शिक्षा संकाय, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने अपने विचार व्यक्त किये।

- 29 जनवरी से 2 फरवरी 2018 : महाविद्यालय द्वारा ललित कला एकेडमी, लखनउ के संयुक्त तत्वाधान में '**आर्टिस्ट इन रेजीडेन्सी'** विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो0 हनुमान काम्बली, गोवा कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स थे।

सिम्पोजियम

- 27 मार्च, 2018 : अर्थशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा '**हाल के दशकों में भारत में विकासात्मक चुनौतियों से संबंधित मुद्दे**' विषयक एक दिवसीय सिम्पोजियम का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता प्रो. ए.के. गौड़, प्रो. बी.वी. सिंह, प्रो. राकेश रमन, प्रो. निधि शर्मा, प्रो. एम. मिश्रा एवं प्रो. एन.के. सिंह, अर्थशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय थे।

विशिष्ट/आमन्त्रित अतिथि व्याख्यान

- 11 अगस्त 2017 : गृह विज्ञान विभाग द्वारा '**उन्नत तकनीक द्वारा एमब्रयेडरी (कढ़ाई)'** विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 17 अगस्त 2017 : अंग्रेजी एवं संस्कृत विभाग द्वारा संयुक्त रूप से '**भारतीय सौंदर्यशास्त्र**' विषयक व्याख्यान का आयोजन । वक्ता प्रो. तपन शंकर भट्टाचार्य, संस्कृत विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय, पं. बंगाल।
- 23 अगस्त 2017 : दर्शन विभाग द्वारा '**फिलोसोफाइसिंग की अवधारणा**' विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. आर.पी. सिन्हा, भूतपूर्व प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग, पटना विश्वविद्यालय।
- 23 अगस्त 2017 : अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ''**आर्थिक वास्तविकता**'' विषयक व्याख्यान का अयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. राकेश रमन, अर्थशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।

- 25 अगस्त 2017 : ''**सृजनात्मक कलाएँ : मौखिक एवं दृश्य माध्यम से**'' विषयक व्याख्यान डॉ. सिद्धार्थ मेनन, प्राचार्य, ऋषि वैली विद्यालय, बैंगलुरु एवं ट्रस्टी, कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन इण्डिया द्वारा दिया गया।
- 28 अगस्त 2017 : पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा '**ग्लोबलाइजेशन एण्ड रोल ऑफ मॉस कम्यूनिकेशन**' विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. बाला लखेन्द्र, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।

- 28 अगस्त से 2 सितम्बर, 2017 : प्रशिक्षित भरतनाट्यम् नृत्यांगना एवं महाविद्यालय की पुरातन छात्रा सुश्री स्वाति आत्मनाथन् के निर्देशन में '**नृत्य नाटिका**' **(कोरियोग्राफी)** पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 31 अगस्त 2017 : अंग्रेजी विभाग द्वारा '**आर्ट ऑफ पोएट्री एण्ड पेन्टिंग**' विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. सिद्धार्थ मेनन, प्राचार्य, ऋषि वैली विद्यालय, बैंगलुरु एवं ट्रस्टी, कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन इण्डिया।
- 1 सितम्बर 2017 : संस्कृत विभाग द्वारा **'कालीदास एवं अभिज्ञान शाकुन्तल्: एक दृष्टि'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डा0 हेमा कृष्णन, भूतपूर्व प्राध्यापिका, वसन्त महिला महाविद्यालय।
- 13 सितम्बर 2017 : हिन्दी विभाग द्वारा **'तंबई गंध की कविता**' विषयक काव्य पाठ का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रसिद्ध हिन्दी कवयित्री एवं आदिवासी कविता की हस्ताक्षर जसिंता केरकेट्टा।
- 14 सितम्बर 2017: चित्रकला विभाग द्वारा **'समकालीन कला'** विषयक व्याख्यान एवं संवाद का आयोजन। प्रमुख वक्ता श्री रेमी कौपल, इकोले–डेस, बियक्स आर्ट्स, एक्स–एन–प्रोविएन्स, फ्रांस।
- 15 सितम्बर 2017: संस्कृत विभाग द्वारा '**छन्दः प्रयोग एवं उच्चारण**' विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डा0 कमला पाण्डेय, अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्षा, संस्कृत विभाग, वसंत कन्या महाविद्यालय, कमच्छा।
- 16 सितम्बर 2017 : अर्थशास्त्र विभाग द्वारा **'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जी0एस0टी0'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता श्री विशाल बी अशर, सनदी लेखाकार, वाराणसी।
- 20 सितम्बर, 2017 : राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा **'लोक प्रशासन एवं भूमण्डलीकरण'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. अभिनव शर्मा, सह–प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
- 25 सितम्बर 2017 : इतिहास विभाग द्वारा '**आधुनिक भारत में पर्यावरण एवं पारिस्थितिक चेतना'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डा0 संजय मंगला गोपाल, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, वीरमाता जीजाबाई तकनीकी संस्थान, मुम्बई।
- 22 अक्टूबर 2018 : अर्थशास्त्र विभाग द्वारा '**अर्थव्यवस्था एवं डिमॉनिटाइजेशन'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो0 किरन बर्मन, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
- 28 अक्टूबर, 2017 : राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा '**तथ्य–मूल्य अन्तर्द्वन्द'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डा0 संजय श्रीवास्तव, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
- 2 नवम्बर 2017 : अंग्रेजी विभाग द्वारा **'भारतीय सौन्दर्यशास्त्रः आनंद वर्धन एंव भरत मुनि'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. आर. एन. राय, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
- 6 नवम्बर 2017 : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा **'एत्रेमपक्कम'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. शान्ति पप्पू, निदेशक एंव डॉ. कुमार अभिषेक, उप–निदेशक, शर्मा सेण्टर फॉर हेरिटेज एजुकेशन, चेन्नई।
- 11 नवम्बर, 2017 : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा '**भारतीय इतिहास लेखन और काल की अवधारणा**' विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. दिनेश कुमार ओझा, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।

- 18 नवम्बर, 2017 : शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा **'अधिगम शैलियाँ'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. सीमा सिंह, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
- 25 नवम्बर, 2017 : शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा '**शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी का प्रयोग**' विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. के0 डी0 मिश्रा, दूरदर्शन केन्द्र, वाराणसी।
- 17 जनवरी, 2018 : हिन्दी विभाग द्वारा **'वैश्विक परिदृश्य में वर्तमान हिन्दी की स्थिति'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. करुणा शंकर उपाध्याय, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
- 25 जनवरी, 2018 : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा '**अजंता की चित्रकलाओं में महिलाएं**' विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. पी.डी. जगताप, नॉर्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय।
- 2 फरवरी 2018 : डॉ. आर.बी. सिंह, दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल, वाराणसी द्वारा 'सामान्य स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान।
- 7 फरवरी 2018 : पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा **'रेडियो जॉकी के भविष्य की संभावनाएँ'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता श्री अमीन रिज्वी, उत्पादन प्रमुख, रेडियो मिर्ची।
- 14 फरवरी 2018 : संगीत विभाग द्वारा **'ध्रुपद संगीत की परम्परा'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता पंडित राजशेखर व्यास, प्रख्यात संगीतज्ञ, रुद्रवीणा, उदयपुर।
- 17 फरवरी 2018 : मनोविज्ञान विभाग द्वारा **'प्रेरणाः मानव संसाधन प्रबंधन के सन्दर्भ में'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. आशीष कुमार दुबे, मनोविज्ञान विभाग, पटना विश्वविद्यालय ।
- 7 मार्च 2018 : गृह विज्ञान विभाग द्वारा **'शोध प्रविधियाँ'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. अन्शुला कृष्णा, मनोविज्ञान विभाग, वसंता कालेज, वाराणसी।
- 13 मार्च 2018 : अंग्रेजी विभाग द्वारा **'उत्तरआधुनिकता एवं परेः सिद्वान्त एवं वास्तविकता'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. वाणीव्रत महन्ता, सह–प्राध्यापक, अंग्रेजी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
- 18 मार्च 2018 : श्री टी0एम0 कृष्णा द्वारा संगीत कार्यक्रम का आयोजन।
- 20 मार्च 2018 : अंग्रेजी विभाग द्वारा 'प्राण एवं प्राणिक रीज्यूवेनेशन की अवधारणा' विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. राजेश्वर सिंह, दर्शन विभाग, मुजफ्फरपुर विश्वविद्यालय, बिहार।
- 22 मार्च 2018 : हिन्दी विभाग द्वारा स्त्री विमर्श विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. रेखा सेठ्ठी, इन्द्रप्रस्थ कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- 22 मार्च 2018 : वाणिज्य विभाग द्वारा **'वित्त'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता श्री प्रेमचन्द्र, ऋषि वैली विद्यालय, कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन इण्डिया, बैंगलुरु।
- 22 मार्च, 2018 : दर्शन विभाग द्वारा **'मन की अवधारणा'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. नंदिनी, दर्शन विभाग, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- 24 मार्च, 2018 : मनोविज्ञान विभाग द्वारा **'चरित्र, ताकत एवं गुण'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डॉ. पूर्णिमा अवस्थी, मनोविज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।
- 3 अप्रैल, 2018 : अंग्रेजी विभाग द्वारा **'साहित्य एवं आलोचना'** विषयक व्याख्यान का आयोजन। प्रमुख वक्ता डा0 शारदा अय्यर, पूर्व विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, वसंत महिला महाविद्यालय।

विश्व कविता दिवस : 21 मार्च 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय कविता दिवस (यूनेस्को द्वारा घोषित) के अवसर पर विख्यात कवियत्री, चित्रकार एवं आलोचक डॉ. सुकृता पॉल कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय ने ''**सेलिब्रेटिंग द वरबल एण्ड विजूअल**'' शीर्षक कार्यक्रम में अंग्रेजी में कविता पाठ किया। जिसका तत्क्षण हिन्दी में अनुवाद प्रो. रेखा सेठ्ठी, प्रख्यात अनुवादक एवं शिक्षाविद्, इन्द्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वोमन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में का.हि.वि.वि. से सम्बद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के उभरते कवियों ने भाग लिया। साथ ही कार्यक्रम में अंग्रेजी, हिन्दी के अलावा भोजपुरी, संस्कृत एवं उर्दू भाषा के प्रमुख एवं उभरते कवियों ने भाग लिये।

विश्व फोटोग्राफी दिवस : 19 अगस्त, 2017 को विश्व फोटोग्राफी दिवस का आयोजन किया गया। इसमें तीस छात्राओं ने भाग लिया। डॉ. राजेश चौरसिया एवं डॉ. वंदना झा के निर्देशन में छात्राओं को 'वसंत महाविद्यालय प्रांगण की प्रकृति' विषयक चित्र लेने के निर्देश दिए गये।

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस : 21 फरवरी, 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ संस्कृत भाषा में पूजाप्रियम के प्रस्तुतिकरण के साथ हुआ। डॉ. लुना मोनी दास, सहायक प्राध्यापिका, भूगोल विभाग ने असमिया प्रार्थना प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने इस दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् कई छात्राओं ने अलग–अलग अपनी मातृभाषाओं में विचार, गान, कविता इत्यादि प्रस्तुत किए। डॉ. विलम्बिता वाणीसुधा ने ओडिया में गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम में मराठी, गुजराती, बंगाली, उड़िया, असमिया, सिन्धी, मैथिली एवं मलयालम इत्यादि भाषाओं में प्रस्तुति दी गयी।

हिन्दी दिवस 14 सितम्बर, 2017 को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर श्री जोहांस लैपिंग, अनुवादक, विविध भाशा विशेषज्ञ एवं भारतविद् तथा श्री विशय छावड़ा, अनुवादक, विभिन्न भाषाओं के जानकार एवं के0एफ0आइ0. से जुड़े विद्वान द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इसका आयोजन हिन्दी विभाग ने किया था।

नियोजन / काउन्सिलिंग गतिविधियाँ

कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय ने अकादमिक वर्ष के अंत में विभिन्न कंपनियों को आमंत्रित कर स्नातक एवं परास्नातक (अंतिम वर्ष) की छात्राओं को प्लेसमेंट का अवसर प्रदान किया। छात्राओं का प्लेसमेंट विभिन्न कम्पनियों एवं उद्योगो के साथ लगातार बातचीत एवं सतत करियर मार्गदर्शन का परिणाम हैं। महाविद्यायल द्वारा इस वर्ष आमंत्रित कंपनियों एवं नियोजित छात्राओं का विवरण निम्न है।

- 24 अप्रैल, 2018 : कैम्पस प्लेसमेंट के तहत **उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक** द्वारा फील्ड आफिसर पद हेतु 23 स्नातक एवं परास्नातक छात्राओं का चयन किया गया। इस परीक्षा का संचालन बैंक के क्षेत्रीय एच.आर. प्रमुख श्री रत्नेश मिश्रा ने किया।

S. No.	Name	Class	S. No.	Name	Class
1	विजेता सिंह	BA IIIrd Year	13	गरिमा त्रिपाठी	BA IIIrd Year
2	श्रद्धा जायसवाल	BA IIIrd Year	14	शिवांजली सिंह	B Com Final Year
3	अनुषा शिवांगी	BA IIIrd Year	15	सुप्रिया पाण्डे	BA IIIrd Year
4	साक्षी रंजन	B Com Final Year	16	अराधना	BA IIIrd Year
5	मनु मंजुषा	BA IIIrd Year	17	श्रुति शरन	BA IIIrd Year
6	भावना	BA IIIrd Year	18	पारूल श्रीवास्तव	B Com Final Year
7	रितिका सिंह	BA IIIrd Year	19	निशा सिंह	B Com Final Year
8	राजश्री रानी	BA IIIrd Year	20	देबीका मोण्डाल	BA IIIrd Year
9	नेहा दूबे	BA IIIrd Year	21	आरती सोनकर	B Com Final Year
10	दृष्टि कुमारी	BA IIIrd Year	22	माधुरी सोनकर	BA IIIrd Year
11	अमृता	BA IIIrd Year	23	जेहरा तबस्सुम	B Com Final Year
12	प्रियंका गुप्ता	BA IIIrd Year			

- 17 अप्रैल 2018 : **टाटा कन्सलटेन्सी सेवाएं समूह** द्वारा महाविद्यालय में कई स्तर पर चयन परीक्षाएँ आयोजित करवाई गई एवं स्नातक एवं परास्नातक (अंतिम वर्ष) की निम्न 18 छात्राओं का चयन किया गया। परीक्षा कार्यक्रम का संचालन डॉ. हिमांशु, एच.आर–सामान्य प्रबंधक, टी.सी.एस, इन्दौर, सुश्री नेहा कुमारी, एच.आर. एवं श्री प्रशांत, एच.आर, टी.सी.एस. ने किया।

1	आद्या चन्द्रा	BA IIIrd Year (Economics Hons.)	15	श्रेया श्रीवास्तव	B.Com IIIrd Year
2	मोनिका छाबरा	BA IIIrd Year (Sociology Hons.)	16	पारूल श्रीवास्तव	B.Com IIIrd Year
3	आँचल पोद्दार	B.Com IIIrd Year	17	शिवांजली सिंह	B.Com IIIrd Year
4	प्रज्ञा सिंह	B.Com IIIrd Year	18	अपूर्वा सिंह	BA IIIrd Year
5	प्रिया कुमारी	BA IIIrd Year (English Hons.)	19	सौम्या चन्देल	B.Com IIIrd Year
6	विदुषी	BA IIIrd Year (Economics Hons.)	20	तनु सवाइका	B.Com IIIrd Year
7	नियति सिंह	BA IIIrd Year (English Hons.)	21	कोमल ज्ञानचन्दानी	MA (Psychology) Final Year
8	अराधना गुप्ता	B.Com IIIrd Year	22	अनुष्का शर्मा	MA (Psychology) Final Year
9	नेहा कुमारी गुप्ता	B.Com IIIrd Year	23	जया रानी महतो	B.Com IIIrd Year
10	श्रद्धा जायसवाल	B.Com IIIrd Year	24	सुप्रिया पाण्डे	BA IIIrd Year (AIHC Hons.)
11	हर्षा जायसवाल	BA IIIrd Year (English Hons.)	25	जेहरा तबस्सुम	B.Com IIIrd Year
12	नेहा सिंह	MA (Economics) Final Year	26	अनुश्री मुखर्जी	B.Com IIIrd Year
13	सौम्या मिश्राा	B.Com (2016-17 batch)	27	आस्था कक्कड़	BA IIIrd Year (English Hons.)
14	अनुषा शिवांगी	BA IIIrd Year (Political Science Hons.)	28	अभया पाण्डे	B.Com IIIrd Year

- 15 फरवरी 2018 : काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के स्थानन समन्वय प्रकोष्ठ द्वारा **अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन** द्वारा फील्ड एसोसिएट पद पर महाविद्यालय की कुमारी कल्पना बिष्ट (परास्नातक – इतिहास) का चयन किया गया।

नियोजन प्रकोष्ठ, वसंत महिला महाविद्यालय द्वारा 24 अगस्त, 2017 को 'इंडियन एयर फोर्स में रोजगार के अवसर' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता विंग कमाण्डर आशीश खन्ना थे। एवं बी.ए. तृतीय वर्ष को छात्राओं हेतु 15 अक्टूबर, 2017 को डॉ. वेद प्रकाश रावत, सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'परामर्श एवं निर्देशन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मेधा : छात्राओं के कैरियर विकास एवं कौशल प्रशिक्षण हेतु लखनऊ के गैर–सरकारी संगठन 'मेधा' (कैरियर विकास एवं कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्यरत संस्था) द्वारा '**शिक्षा से रोजगारः बूट कैम्पस्**' कार्यक्रम के तहत 72 छात्राएँ पंजीकृत हुईं, 52 छात्राओं ने 30 घण्टे के प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूर्ण किया एवं 33 छात्राओं ने इन्टर्नशिप किया। इसी क्रम में श्री रत्नेश मिश्रा, जोनल प्रमुख, एच.आर., उत्कर्श स्माल फाइनेन्स बैंक द्वारा 31 अक्टूबर, 2017 को 'माइक्रो फाइनेन्स में कैरियर' विषय पर व्याख्यान दिया। औद्योगिक भ्रमण के अन्तर्गत रिटेल उद्योग के विविध पक्षों के ज्ञान हेतु छात्राओं को पैण्टालूनस् एवं बिग बाजार का भ्रमण करवाया गया। 23 मार्च, 2018 को मेधा के सह–संस्थापक श्री क्रिस्टोफर टुरिल्लो द्वारा 52 छात्राओं को प्रमाणपत्र दिया गया गया।

लीड : देशपाण्डे फाउण्डेशन, वाराणसी द्वारा महाविद्यालय में लीडर्स क्सेलेरेटिंग डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत कई विकासात्मक परियोजनाएं प्रारम्भ की गई। 'महिला शिक्षा एवं महिला स्वच्छता' विषय पर प्रथम परियोजना पूजा वर्मा, रानी बानो एवं उनके समूह द्वारा चलाया गया। द्वितीय परियोजना 'लीड ग्राम' लीड का नेतृत्व कर रही छात्राओं अदिति अरुण, माण्डवी सिंह, स्तुति वर्मा, अविहा तब्स्सुम, ट्विंकल सिंह, कविता सिंह एवं उनके समूह ने किया। तृतीय महत्वपूर्ण परियोजना 'हेलमेट नहीं तो पार्किंग नहीं'

का नेतृत्व माण्डवी सिंह ने किया। चतुर्थ परियोजना 'दान उत्सव' का नेतृत्व खुशबू मौर्य ने किया। पंचम परियोजना 'स्वच्छता' का नेतृत्व वैशाली एवं खुशबू कुमारी ने किया।

सर्वोत्तम सामाजिक प्रारम्भक पुरस्कार पूजा वर्मा को महिला शिक्षा हेतु। सर्वोत्तम टीम पुरस्कार – अदिति अरुण, माण्डवी सिंह, स्तुति वर्मा, अविहा तबस्सुम, ट्विंकल सिंह एवं कविता सिंह को तथा सर्वोत्तम सहयोगी महाविद्यालय का पुरस्कार वसंत महिला महाविद्यालय को दिया गया। कार्यक्रम के तहत प्रति शनिवार कार्यशाला का आयोजन किया जाता है, जिससे छात्राओं में नेतृत्व कौशल विकसित हो सके। इसके अन्तर्गत पाँच छात्राओं का समन्वयक के रूप में चयन हुआ। सिमरन कुमारी का चयन लीड तलाश के अन्तर्गत इन्टर्नशिप के लिए हुआ।

लीड की कार्यशाला में इजरायल से आयी हुयी प्रशिक्षक सुश्री दीप्ति इंकरण ने आत्मरक्षा का प्रशिक्षण छात्राओं को दिया। वास्तविक आत्म रक्षा कार्यक्रम का आयोजन 27 अक्टूबर, 2017 को किया गया। 26 फरवरी, 2018 को एस.पी. ट्रैफिक ने छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया। 8 मार्च, 2018 को लीड के सदस्यों ने अन्तर्राश्ट्रीय महिला दिवस मनाया। 1 अप्रैल, 2018 को लीड के समापन समारोह का आयोजन किया गया।

छात्रपरक गतिविधियाँ

- 11 अगस्त 2017 : गृह विज्ञान विभाग द्वारा उषा मशीन द्वारा कढ़ाई की उन्नत तकनीक विषयक कार्यशाला का आयोजन।
- 21 अगस्त 2017 : ओरिएन्टेशन कार्यक्रम के तहत नव प्रवेशी विद्यार्थियों को महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव, खेल, जेण्डर सेनसेटाइजेशन सेल, एनसीसी, पुस्तकालय, नियोजन एवं काउन्सिलंग प्रकोष्ठ, ट्रेवेल एवं टूरिज्म मैनेजमेण्ट, मॉस कम्यूनिकेशन्स इत्यादि पाठ्यक्रमों से अवगत कराया गया।
- 30 अगस्त 2017 : आन्तरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठ, एनसीसी एवं एलुमनाई सेल द्वारा संयुक्त रूप से **सीएल कन्जीक्यूटीव माइन्ड्स** विषयक लिखित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चयनित छात्राओं ने क्षेत्रीय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
- 1 सितम्बर 2017 : इतिहास विभाग की छात्राओं द्वारा फेंच क्रांति पर पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन।
- 1 सितम्बर 2017 : नेशनल बुक ट्रस्ट एवं इंडियन पब्लिक मूमेन्ट द्वारा भारतीय दर्शन में संस्कृत का योगदान विषयक बहस प्रतियोगिता में छात्राओं ने भाग लिया।
- 7 सितम्बर 2017 : राजीनति विज्ञान विभाग द्वारा **ट्रिपल तलाक पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले** विषय पर छात्राओं में समूह चर्चा का आयोजन।
- 13 सितम्बर 2017 : संस्कृत विभाग द्वारा कण्ठस्थ स्त्रोत पाठ प्रतियोगिता का आयोजन।
- 18 सितम्बर 2017 : नव प्रवेशी छात्राओं के लिए **टैलेण्ट शो** प्रतियोगिता का आयोजन।
- 20 सितम्बर 2017 : छात्राओं के लिए जयपुरिया प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन।
- 23 सितम्बर 2017 : राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा हिन्द स्वराज विषय पर छात्र संवाद प्रतियोगिता का आयोजन।
- 06 अक्टूबर 2017 : राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा लोक प्रशासन विषय पर छात्र सम्मेलन का आयोजन।
- 09 अक्टूबर 2017 : राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय सरकार एवं राजनीति में समकालीन मुद्दों विषय पर छात्र सम्मेलन का आयोजन।
- 11 अक्टूबर 2017: गृह विज्ञान विभाग द्वारा ओवन की देखभाल विषय पर कार्यशाला का आयोजन।
- 20 अक्टूबर 2017 : अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भारत में जी0एस0टी0 विषय पर संवाद प्रतियोगिता का आयोजन।
- एस0एस0 खन्ना गर्ल्स इण्टर कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्र स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता 'दामोदर श्री अवार्ड' में छात्राओं ने भागीदारी की ।
- 07 नवम्बर 2017 : अंग्रेजी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अतंरसंकाय अंग्रेजी साहित्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्राओं में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- 13 नवम्बर 2017 : राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा नेपाल और मलेशिया की सरकार एवं राजनीति विषय पर छात्र सम्मेलन का आयोजन।
- 05–10 फरवरी 2018 : शिक्षाशास्त्र विभाग की छात्राओं द्वारा गैर सरकारी संस्था 'संकल्प' के माध्यम से सामुदायिक कार्यों में भागीदारी।
- 08 फरवरी 2018 : कॉमर्स विभाग की छात्राओं हेतु टेक्नेक्स 2017 कार्यक्रम के अर्न्तगत आईआईटी, बीएयचू द्वारा **क्रैक्कैट योग्यता परीक्षा** का आयोजन किया गया।
- 15 फरवरी 2018 : उपमा सिन्हा ने प्रयाग संगीत समिति (15–30 आयु वर्ग) में भाग लिया तथा प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- 12–20 फरवरी 2018 : महाविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम **'झंकार –2017'** का आयोजन किया गया। इस युवा महोत्सव में निबन्ध लेखन, भाषण, वाद – विवाद, प्रश्नोत्तरी, गायन, नृत्य, एकांकी, रंगोली, मेंहदी आदि प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया।
- 12 मार्च 2018 : गृह विज्ञान विभाग द्वारा ब्लड प्रेशन एवं शुगर विषय पर कार्यशाला का आयोजन।
- 13 मार्च 2018 : अंग्रेजी विभाग द्वारा '**थ्योरी एण्ड टेक्स्ट : पोस्टमार्डनीजम् एण्ड बीयोंड**' विषय पर द्वितीय छात्र कोलोक्यूम का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध कालेजों से आए 16 छात्राओं ने भाग लिया। प्रमुख वक्ता डॉ. वाणीव्रत माहान्ता, सहयोगी प्राध्यापक, अंग्रेजी विभाग, का.हि.वि.वि.।
- 12–16 मार्च 2018 : महाविद्यालय की 73 छात्राओं ने बीएचयू द्वारा आयोजित **अन्तर संकाय युवा महोत्सव, स्पन्दन–2018** में 31 विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा सांस्कृतिक जुलूस में प्रथम, लोक नृत्य, कोरियाग्राफी एवं मेंहदी में द्वितीय, अभिव्यक्ति, स्किट, समूह गान, वक्तृत्व कला (अंगेजी) एवं शास्त्रीय गायन में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- 4–5 अप्रैल 2018 : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा 10000 ई0पू0 से 1000 ई0 प0 काल के **'पुरातात्विक प्रदर्शनी'**का आयोजन।

कृष्णमूर्ति अध्ययन केन्द्र

जे0 कृष्णमूर्ति अध्ययन केन्द्र, श्री जे0 कृष्णमूर्ति पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित भारत का प्रथम एकमात्र केन्द्र है जो कार्यशाला, व्याख्यानमाला, संगोष्ठी एवं परियोजना कार्य आदि से कृष्णमूर्ति की शिक्षाओं का प्रचार – प्रसार करता है। विगत कुछ वर्षों से यह अध्ययन केन्द्र विद्यार्थियों, शिक्षकों व गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए हर बुधवार, गुरूवार व शनिवार को 'ध्यान व संवाद' का आयोजन करता है। इस सत्र द्वारा अगस्त माह में छात्राओं को प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत किया जाता है। यह पाठ्यक्रम कृष्णमूर्ति की पुस्तक '**थिंक आन दिज थिंग्स**' पर आधारित है। प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के लिए कक्षाएँ प्रत्येक सोमवार एवं मंगलवार को चलायी जाती हैं। सप्ताह के शेष दिनों में यह अध्ययन केन्द्र सभी छात्राओं के लिए खुला रहता है। बी.एड. विभाग की छात्राओं के लिए प्रत्येक सप्ताह विशेष सत्र चलाए जाते हैं जो कृष्णमूर्ति की पुस्तक **'एजुकेशन एण्ड द सिग्निफिकन्स ऑफ लाइफ**' पर आधारित है। इस सत्र में 28 अगस्त 2017 को श्री सिद्धार्थ मेनन, ट्रस्टी, के.एफ.आई. ने 'कृष्ण्मूर्ति की दृष्टि' विषय पर व्याख्यान दिया। 12 जनवरी 2018 को महाविद्यालय के गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए जे. कृष्णमूर्ति के शिक्षाओं पर कार्यशाला आयोजित की गई तथा 22 फरवरी 2018 को 'जे. कृष्णमूर्ति का शिक्षा के प्रति उपागम' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में प्रो. पी. कृष्णा ने अपने विचार व्यक्त किए।

आन्तरिक शिकायत समिति (आई0सी0सी0)

- 14 अक्टूबर 2017 को शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक एवं सहायक कर्मचारियों के लिए '**कार्यस्थल पर जेण्डर सेंसेटाइजेशन'** विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता श्री अजय सुमन, प्रमुख, देशपाण्डे फाउण्डेशन, वाराणसी थे। इसी क्रम में 6 जनवरी 2018 को कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न विषयक संवाद का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो0 गेरेलडाइन फोब्स, इतिहास विभाग, न्यूयार्क स्टेट विश्वविद्यालय, यू0एस0ए0, डा0 सिडनी लेपर्ड ग्रीनब्लैट, भूतपूर्व सहायक प्राध्यापक, समाजिक विज्ञान, ड्रियू विश्वविद्यालय एवं अंर्तराष्ट्रीय छात्र सलाहकार, सिराक्यूज विश्वविद्यालय, न्यूयार्क थी।

विधिक सहायता एवं सेवाकेन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा 28 मार्च, 2018 को महाविद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधि संकाय के विभिन्न प्राध्यापकों एवं छात्रों द्वारा महिलाओं से जुड़े यौन अपराधों से संबंधित कानूनों की जानकारी, तथा नुक्कड़ नाटक इत्यादि संचालित किया गया।

शिक्षकों की गतिविधियाँ/उपलब्धियाँ

- डॉ. अन्शुला कृष्णा, मनोविज्ञान विभाग ने 19–23 जुलाई, 2017 को पोलैण्ड में आयोजित '32वें क्रास कल्चरल साइकोलाजी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. अलका सिंह, प्राचार्या, वसन्त महिला महाविद्यालय, डॉ. मंजरी शुक्ला एवं डॉ. रचना पाण्डेय, अंग्रेजी विभाग ने 6–7 फरवरी, 2018 को कुआलालम्पुर, मलेशिया में आयोजित 'फ्यूचर आफ वोमेन 2018' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया एवं शोधपत्र प्रस्तुत किया। सम्मेलन में डा0 अलका सिंह को सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में सम्मानित किया गया।
- डॉ. आम्रपाली त्रिवेदी, गृह विज्ञान विभाग ने लोक सेवा आयोग, मध्य प्रदेश में 29–30 दिसम्बर, 2017 के दौरान पेपर मोडरेटर की भूमिका निभायी।
- डा0 वन्दना झा, हिन्दी विभाग को हेमवती नन्दन बहुगुणा विश्वविद्यालय, गढ़वाल, उत्तराखण्ड में कार्यकारी समिति की सदस्या नामित किया गया।
- डॉ. सीमा श्रीवास्तव, मनोविज्ञान विभाग ने 25 जनवरी 2018 को एजुकेशनल फोरम, कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन इण्डिया, चेन्नई में 'रोल ऑफ इमोशन इन एजुकेशन' विषयक व्याख्यान दिया।
- डॉ. संजय कुमार वर्मा ने 30 मई, 2018 को तिरुपति बालाजी मंदिर में संगीत वादन एवं जिला क्षेत्रीय सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित सुबह–ए– बनारस कार्यक्रम में प्रस्तुतिकरण दिया।
- डॉ. मोहम्मद अख्तर, उर्दू विभाग की 'राजेन्दर सिंह बेदी के अफसाने : इन्तेखाब और मुतालित' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई। उनकी पुस्तक 'उर्दू अफसाने की अमली ताकीद' हेतु उन्हें उ.प्र. उर्दू अकादमी पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. ऊषा वर्मा द्वारा संस्कृत–सम्भाशण प्रतियोगिता, स्पन्दन में निर्णायक की भूमिका का निर्वहन 2018 में किया गया।
- डॉ. कल्पना अग्रवाल, गृह विज्ञान विभाग ने दूरदर्शन पर एक परिचर्चा 'घोशण' पर सितम्बर, 2017 में अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने 'सामयिक सब्जियों' पर एक रेडियो टॉक 30 जनवरी, 2018 में दिया।
- डॉ. ऋचा सिंह, मनोविज्ञान विभाग द्वारा 31 अक्टूबर, 2017 एवं 28 मार्च, 2018 को आकाशवाणी, वाराणसी में 'रेलेवेन्स ऑफ ज्वाइंट फेमिली इन प्रेजेण्ट कॉन्टेस्ट' और 'द फेस्टिवल ऑफ दिपावली एण्ड इट्स माइथोलोजिकल सिग्निफिकेन्स' विषयक दो व्याख्यान दिया गया। उन्हें केन्द्रीय विद्यालय, मुगलसराय में विषय–विशेषज्ञ के रूप में भी आमन्त्रित किया गया।
- 17 अगस्त, 2017 को डॉ. वेद प्रकाश रावत, मनोविज्ञान विभाग को भारतीय काउन्सिलिंग साइकोलोजी एसोसिएशन द्वारा संस्थापक सदस्य एवं ट्रेजरर के रूप में मनोनित किया गया। 26 मार्च 2018 को केन्द्रीय विद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में विषय–विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित किया गया।
- डा0 बृहस्पति भट्टाचार्य, संस्कृत विभाग ने 19 दिसम्बर, 2017 को आकाशवाणी, वाराणसी में ''महामनसां महामनस्त्वं'' विषयक रेडियो व्याख्यान दिया।
- डॉ. श्रेया पाठक, इतिहास विज्ञान ने 2 अप्रैल, 2018 को डी.ए.वी. पी.जी. कालेज में 'एनेक्सेशन आफ बनारस अण्डर कम्पनी रूल (1775)' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- सुश्री विलम्बिता वाणीसुधा, संगीत (गायन) विभाग ने 25 दिसम्बर 2017 को अवर्तन द्वारा आयोजित पं. अनोखेलाल एवं विदुषी सिद्धेश्वरी देवी स्मृति गायन समारोह में शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया। उन्होने 1 जनवरी, 2018 को कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन इंडिया के अन्तर्राष्ट्रीय गैदरिंग में भी शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया।

- डा0 सुभाष मीना, मनोविज्ञान विभाग की पुस्तक रिसर्च स्टैटिसटिक्स : ए कम्प्लीट सीरीज ऑफ नॉन पैरामैट्रिक टेस्ट नामक पुस्तक प्रकाशित हुई।
- श्री हनुमान प्रसाद गुप्ता, संगीत (गायन) विभाग ने टोमिक रिसर्च सेण्टर, इलाहाबाद में शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया। उन्हें स्पंदन 2018 के संगीत (गायन) कार्यक्रम में निर्णायक मण्डली के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. जे.एन. गोस्वामी ने 1 जून से 3 जुलाई 2018 तक बेल्जियम में संगीत–वादन विषयक व्याख्यान व कार्यशाला में भाग लिये।

पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय पूरी तरह कम्प्यूटरीकृत एवं बारकोड सुविधा से सम्पन्न है। किताबों का आवंटन एवं वापसी बारकोड स्कैनर के माध्यम से होता है। पुस्तकालय में छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए ओपेक (Online Public Access Catalogue) सुविधा उपलब्ध है। जिसके माध्यम से डाटाबेस तक पहुँचा जा सकता है। पुस्तकालय के पास काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के (बी.ए., बी.कॉम, बी. एड., एम.ए. एवं एम.एड.) सभी छात्राओं हेतु डिजिटलीकृत पुराने प्रश्न–पत्रों का डेटाबेस उपलब्ध है। शिक्षकों ने अपने प्रकाशित पुस्तकों की एक प्रति संस्थागत भंडारण हेतु पुस्तकालय को दान दिया है। पुस्तकालय का ज्ञान केन्द्र (नॉलेज सेण्टर) 41 कम्प्यूटर, 2 वाईमैक्स कनेक्शन तथा 2 एम.बी.पी.एस. गति का इन्टरनेट एवं 3 प्रिन्टरों की सुविधा से समृद्ध है। शिक्षकों एवं शोध छात्राओं हेतु 7 कम्प्यूटर एवं इण्टरनेट की अलग व्यवस्था है। पुस्तकालय के पास 43,656 पुस्तकों का संकलन है। पुस्तकालय में एक पिरियोडिकल खण्ड है जिसमें 42 शोध पत्रिकाओं, 12 पत्रिकाओं एवं 10 समाचार–पत्रों की नियमित सदस्तयता ली गयी है एवं उनका संकलन मौजूद है। पाठ्य पुस्तक एवं सन्दर्भ पुस्तक खण्ड, पाठकों को उनके अकादमिक कार्यों हेतु आवश्यक पुस्तकें प्रदान करता है। पुस्तकालय में शिक्षकों एवं छात्राओं हेतु छायाप्रति खण्ड भी है। पुस्तकालय ने इन्फ्लिबनेट की एनलिस्ट सुविधा ली है जिसके अन्तर्गत छः हजार से अधिक ई–शोध पत्रिकाओं एवं 31,35,000 से अधिक ई–पुस्तकों तक ऑनलाइन पहुँचा जा सकता है। पुस्तकालय, भारत के राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय में पंजीकृत है जिसके अन्तर्गत एकल विण्डो खोज सुविधा एवं वन स्टॉप शॉप से सभी डिजिटल संसाधनों तक पहुँच की सुविधा उपलब्ध है।

पुस्तकालय ने 21 अगस्त 2017 को बी.ए., बी.काम, बी.एड., एम.ए. व एम.एड प्रथम वर्ष के छात्राओं हेतु यूजर शिक्षण कार्यक्रम तथा शिक्षा विभाग की छात्राओं हेतु 10 अक्टूबर, 2018 को 'सूचना साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया। परास्नातक एवं शोध छात्राओं हेतु 25 जनवरी, 2018 को 'कापीराइट एण्ड प्लेगरिज्म' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। 30 जनवरी 2018 को परास्नातक एवं शोध–छात्राओं को 'लिटरेचर सर्च इन ओपेन एक्सेस रिसर्च जर्नल' की जानकारी दी गई। पुस्तकालय अगले अकादमिक सत्र में रिलायंस फोर जी वाई–फाई सुविधा से सम्पन्न हो जाएगा।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन0सी0सी0)

सत्र 2017–18 में महाविद्यालय ने एन.सी.सी. विंग की शुरूआत की। पहले समूह में 38 छात्राएँ पंजीकृत हुईं। नवम्बर 2017 से फरवरी 2018 तक इनकी 30 कक्षायें आयोजित की गयी। जिसमें एस.आर.जी.सी. आई. श्रुति श्रीवास्तव एवं सुशीला वर्मा जैसे अधिकारी उपस्थित थे। इन कक्षाओं में छात्राओं को विभिन्न एन.सी.सी. गतिविधियों जैसे– ड्रिल अभ्यास, अस्त्रों का प्रशिक्षण तथा मानचित्र का अध्ययन करवाया गया। कमांडिंग आफिसर (सी.ओ.) कोल. जी.आर.के. शेशा सैतो, 28 उ.प्र. महिला बृ.एन.सी.सी., का.हि.वि. वि. ने भी आकर छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। 16 जनवरी 2018 को एनसीसी विग द्वारा 'बेहतर स्वास्थ के लिए वन्स्पति और जीवों को बचाओ' विषयक पेन्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन0एस0एस0)

वसंत महिला महाविद्यालय की पाँचों इकाइयों द्वारा ग्राम– सरायमोहाना, कोटवा, राजापुर में 22–28 मार्च 2018 के बीच सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। छात्राएँ अच्युत पटवर्धन विद्यालय, कोटवा में गयीं। शिविर के अन्तर्गत गंगा किनारे मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छ गंगा अभियान को प्रोत्साहन तथा

महिला साक्षरता, पोस्टर, नारा–लेखन एवं स्केच प्रतियोगिता, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शिविर का प्रमुख आकर्षण कलकत्ता की स्वयंसेवी संगठन 'दात्री' था, जो स्टेमसेल क्षेत्र में कार्य कर रहा है, कार्यक्रम में छात्राओं को स्टेम सेल एवं इससे सम्बिन्धित बिमारियों जैसे ब्लडकैंसर, ल्यूकीमिया से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय सेवा योजना के चार एक दिवसीय शिविरों का भी आयोजन किया गया। गतिविधियों का समापन 28 मार्च 2018 को महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. पी.के. शर्मा, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय थे।

पुरातन छात्रा प्रकोष्ठ

वार्षिक पुरातन छात्रा सम्मेलन का आयोजन 17 फरवरी 2018 को हुआ। इसमें लगभग 300 पुरातन छात्राओं का समागम हुआ जो प्राचीन एवं नयी पीढ़ी के मध्य संवाद स्थापना का मंच बनी। पुरातन छात्रा संघ ने अपनी वरिष्ठतम् सदस्यों जैसे– प्रो. ज्योति वर्मा, मनोविज्ञान विभाग, पटना विश्वविद्यालय, श्रीमती शहनाज हुसैन, विख्यात पत्रकार, श्रीमती प्रेरणा अग्रवाल तथा डॉ. कुसुम गिरि, अवकाश–प्राप्त महाविद्यालय की शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। उन्होंने अपना अनुभवों साझा किया तथा वर्तमान पीढ़ी को महाविद्यालय के धरोहर से अवगत कराया। पुरातन छात्रा संघ ने साथ ही संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत कई गतिविधियों की शुरुआत की। 29 अगस्त, 2017 को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें छात्राओं, शिक्षकों एवं गैर–शैक्षिक समूह के कर्मचारियों द्वारा 67 यूनिट रक्त दान किया गया। हाल ही में उत्तीर्ण छात्राओं हेतु संघ ने देशपाण्डे फाउण्डेशन फेलोशिप कार्यक्रम से सदस्यों को अवगत कराया। 6 सितम्बर 2017 को संघ द्वारा 'औषधीय पौधारोपण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय प्रांगण में लगभग 100 आयुर्वेदिक पौधों वाले औषधीय बगीचे को विकसित किया गया। 2 फरवरी 2018 को आयोजित पुरातन छात्रा संघ सामान्य निकाय की बैठक में गणमान्य सदस्यों ने देश एवं विदेशों में बसे पुरा–छात्राओं से सम्पर्क स्थापित किए जाने सम्बन्धी सुझाव दिये। पुरातन छात्रा संघ नियमित रक्त दान शिविर एवं कार्यक्रमों जैसे– 'इच वन टिच वन' को आयोजित करने के लिए प्रयासरत है।

खेल गतिविधियाँ

इस सत्र में छात्राओं ने खेल से जुडी गतिविधियों में बढ़–चढ़कर भाग लिया। 26 जून से 2 जुलाई 2017 के बीच आयोजित '10वी डब्ल्यू0के0एफ0 यूथ एवं प्रशिक्षण शिविर' के लिए प्रिया कुमारी का चयन हुआ जो क्रोएशिया में सम्पन्न हुआ। प्रिया कुमारी, कलकत्ता में हुए राष्ट्र स्तरीय कराटे प्रतियोगिता एवं उ.प्र. कराटे में स्वर्ण पदक लाने वाली पहली प्रतिभागी बनी। महाविद्यालय की पाँच छात्राओं श्रेया सिंह, अन्तर–विश्वविद्यालयी हैडबॉल, शिखा, सिंह, बॉलीवाल , एवं पल्लवी, टी.एम. विश्वविद्यालय, भागलपुर द्वारा आयोजित शतरंज जैसी राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया। महाविद्यालय की तीन छात्राएँ अंजली कुमारी, दीपशिखा बेलवाल एवं प्रिन्सी कुमारी का चयन 10वीं ओपेन नेशनल टाइकोन्डो प्रतियोगिता हेतु हुआ। इसमें इन तीनों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता 15–17 सितम्बर, 2017 के बीच जम्मू एवं कश्मीर में सम्पन्न हुआ। छात्राओं ने कई अन्तर–संकाय खेल प्रतियोगिताओं जैसे वॉलीबाल, बास्केटबॉल, योगा, हैन्डबॉल, टाइकोन्डो, वुशु एवं षतरंज में भाग लिया जो विश्वविद्यालय स्तर पर सितम्बर से जनवरी 2017–18 के बीच आयोजित हुआ था। कुल 57 छात्राओं ने अन्त–संकाय मैचों में भाग लिया और उनके प्रदर्शन के आधार पर आठ छात्राओं का चयन का.हि.वि.वि. की टीम के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अन्तर–विश्वविद्यालयी मैचों के लिए हुआ। चयनित प्रतिभागियों के नाम निम्न है– श्रेया सिंह एवं शबनम बानों हैन्डबाल हेतु, शिखा सिंह बॉलीबाल के लिए, भारती भटवाल एवं अनुप्रिया बास्केटबाल हेतु, नीलम यादव तैराकी हेतु, प्रिया कुमारी, वुशु के लिए एवं पल्लवी शतरंज प्रतियोगिता हेतु। महाविद्यालय की छात्राओं ने अन्तर–संकाय पैरा ओलेम्पिक खेली 2018 में भाग लिया जो का.हि.वि. वि. में फरवरी 16–18, 2018 के बीच आयोजित की गई। इसमें चार छात्राएँ बैडमिन्टन, कैरम, शतरंज एवं ट्राई–साइकेल दौड़ आदि खेलों में भाग ली। सुनीता देवी ने ट्राई–साइकेल दौड़ में द्वितीय स्थान और कैरम में प्रथम स्थान अर्जित किया। अर्चना राय बैडमिन्टन में तृतीय स्थान पर रही।

महाविद्यालय की छात्राओं ने जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों द्वारा आयोजित कई खेल से जुड़ी गतिविधियों में भी भाग ली। छात्राओं के एक समूह ने द्वितीय श्रीमती विद्या देवी मेमोरियल बास्केटबाल टूर्नामेण्ट में भाग लिया जिसका आयोजन 22–23 फरवरी 2018 को आर्य महिला पी.जी. कालेज, चेतगंज, वाराणसी में हुआ था। छात्राओं ने व्लावात्स्की वालीबाल टूरनामेण्ट एवं मैरी काम टूर्नामेण्ट में भी भाग लिया जिसका आयोजन वसंत कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, वाराणसी द्वारा किया गया। महाविद्यालय ने बास्केटबॉल मैच का आयोजन किया जो आर्य महिला पी.जी. कालेज एवं राजघाट बेसेण्ट स्कूल के साथ खेला गया। छात्राओं को विभिन्न खेल से जुड़े क्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रेरित करने के लिए वार्षिक खेल दिवस का आयोजन 12 फरवरी, 2018 को हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री एस.एन. दूबे, प्रबन्धक, वसंत महिला महाविद्यालय, के.एफ.आई. के द्वारा किया गया। मार्च पास्ट में एन0सी0सी0, सामाजिक विज्ञान, कला वर्ग, वाणिज्य एवं शिक्षा विभाग ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। इस समारोह में निम्न गतिविधियाँ आयोजित की गई : एरोबिक प्रस्तुतिकरण, साड़ी ड्रिल, योगा एवं टाइकोन्डो प्रदर्शन। साथ ही टग–ऑक–वॉर, म्यूजिकल चेयर, 4×100 मिटर रिले दौड़ आदि खेलों का आयोजन शिक्षकों एवं महाविद्यालय के कर्मचारी वर्ग के सदस्यों के लिए किया गया जिसमें सभी ने सक्रिय रूप से उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कारों, पदकों एवं प्रमाणपत्रों के वितरण के साथ हुआ। इसमें उन छात्राओं को पुरस्कृत किया गया जो निम्न खेलों में स्थान अर्जित करते हुए विजयी हुए : बास्केटबॉल, कबड्डी, बैडमिण्टन (एकल एवं युगल), यथलेटिक्स (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर) साट–पुट, डिस्कस थ्रो, जैवेलिन एवं लान्ग जम्प। ललित

शैक्षणिक भ्रमण

म्हाविद्यालय की छात्राओं हेतु 8–16 मार्च, 2018 को चण्डीगढ़, शिमला, कुल्लु, मनाली एवं धर्मशाला के लिए नौ दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही ट्रेवेल एवं टूरिज्म मैनेजमेण्ट, जनसंचार एवं पत्रकारिता एवं बी.एड. की छात्राओं हेतु 9–16 मार्च, 2018 को राजस्थान (जयपुर, माउण्ट आबु, जैसलमेर व जोधपुर) हेतु आठ दिवसीय का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम के तहत 11 अक्टूबर 2017 को शिक्षा विभाग की छात्राओं ने सारनाथ, अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओ ने 17 फरवरी 2018 को बनारस बीडस् लिमिटेड, भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की छात्राओं ने 8 फरवरी, 2018 को प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर स्वरूप गुरुधाम मंदिर, कर्दमेश्वर महादेव मंदिर एवं भारतकला भवन एवं इतिहास विभाग की छात्राओं ने 23 फरवरी 2018 को मिर्जापुर जिले में स्थित लखनियादरी एवं अहरौरा का भ्रमण किया। यहाँ छात्राओं ने 300 ई.पू. गौतम बुद्ध के मानवता की सेवा संबंधी संदेश को इंगित करने वाले पाषाण अभिलेख जो ब्राह्मी लिपि में है एवं भण्डारी देवी को समर्पित मूर्ति को देखा और जाना। छात्राओं को अशोक स्तम्भ, पहाड़ों को काटकर, बनाए गए मूर्ति एवं चित्रकला जो प्रागैतिहासिक काल के थे उन्हें भी देखने का अवसर प्राप्त हुआ। भूगोल की छात्राएं 13 मार्च 2018 को विन्ध्याचल एवं 19 मार्च 2018 को सालारपुर शैक्षणिक भ्रमण के अन्तर्गत गईं।

स्पिक मैके

स्पिक मैके कार्यक्रम के अन्तर्गत 15–21 अगस्त, 2017 को छाऊ नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें श्री परापद रजक एवं उनके समूह ने (जो छाऊ नृत्य अकादमी, पुरुलिया से संबंधित है) छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। 13–15 अक्टूबर 2017 को वृंदावन स्टेट कनवेशंस में छह छात्राओं तितली, सौम्या, निकिता पालिवाल, देवोश्री, सारिका एवं उपमा सिन्हा ने डॉ. दीप्ति पाण्डेय के निर्देशन में भाग लिया। 12 अप्रैल, 2018 को कोलकाता से आए सितारवादक कुशल दास ने महाविद्यालय प्रांगण में सितार–वादन किया।

स्काउट–गाइड शिविर

बी.एड. की छात्राओं के लिए जनवरी 2018 को सुश्री रामेश्वरी वर्मा के निर्देशन में सात दिवसीय स्काउट–गाइड शिविर का आयोजन किया गया। शिविर द्वारा छात्राओं को स्काउट गाइड का इतिहास, सिद्धान्त, प्रतिज्ञा एवं अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी दी एवं बी0एड0 की छात्राओं ने गाइड के नियमों का पालन करते हुए विभिन्न क्रिया–कलापों में भाग लिया।

पिटारा

महाविद्यालय में 8 मार्च, 2018 को 'पिटाराः नैस्सेण्ट माइण्डस् क्लब' का शुभारम्भ किया। यह सृजनात्मक क्लब छात्राओं को उनमें छुपी बहुआयामी प्रतिभा को अभिव्यक्त का मंच प्रदान करती है प्रत्येक 15 दिनों पर पिटारा क्लब का आयोजन किया जाता है। 5 अप्रैल 2018 को पिटारा के तृतीय सत्र का आयोजन हुआ। उसका विषय 'ताना–बाना दिल से' था। जिसमें लोगो मेकिंग, एक वाक्य में पूरी कहानी व्यक्त करने एवं यात्रावृत्तान्त के माध्यम से छात्राओं ने अपने प्रतिभाओं को अभिव्यक्त किया। अकादमिक विमर्श के अतिरिक्त यह मंत्र छात्राओं को जीवन समझने का मंच भी प्रदान करती है।

वसंतआश्रम छात्रावास

वसंताश्रम छात्रावास की छात्राओं ने वर्ष भर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। सत्र की शुरुआत नव–प्रवेशी छात्राओं के स्वागत से हुआ। छात्राओं में नेतृत्व गुण एवं प्रबंधन कौशल की अभिवृद्धि के लिए मेस, पुस्तकालय, एसेम्बली एवं खेल संबंधी गतिविधियों हेतु नए प्रबंधकों का चुनाव किया गया। वर्ष पर्यन्त श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, दिवाली, वसंत पंचमी एवं होलीविभिन्न त्यौहारों को मनाया गया जैसे । होली के हानिकारक रसायनों से बचने के लिए आरगैनिक रंग निर्माण संबंधी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

छात्राओं हेतु विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के तहत वाराणसी तायक्वांडो एसोशिएसन फार बेसिक डिफेन्सिव स्किलस् द्वारा ग्रूमिंग कक्षाएँ, संगीत कक्षाएँ (गायन एवं वादन) तथा दस दिवसीय ताइक्वांडो प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्पिक मैके के सौजन्य से छात्राओं के एक समूह ने छाऊ नृत्य प्रशिक्षण भी प्राप्त किया तथा श्री परापद रजक एवं उनके समूह द्वारा निर्देशित छाऊ मुखौटा निर्माण कार्यशाला में भाग लिया। श्री चैतन्य नागर, विचारक, के.एफ.आई. स्टडी सेण्टर, वसंत महिला महाविद्यालय के साथ सप्ताह में दो बार छात्रावास फेज–प्रथम के छात्राओं तथा फेज–द्वितीय की छात्राओं का सप्ताह में एक बार संवाद सत्र आयोजित किया जाता है। श्री एस.एन. दुबे, प्रबंधक, वसंत महिला महाविद्यालय, डॉ. सिद्धार्थ मेनन, प्राचार्य, ऋषि वैली विद्यालय, गायक श्री टी.एम. कृष्णा के साथ छात्राओं के अर्न्तक्रिया सत्र आयोजित किया गया। 18 मार्च, 2018 को श्री एम. कृष्णा एवं उनके टीम द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण का रसास्वादन लेने का भी गौरव छात्राओं को प्राप्त हुआ। 2 अप्रैल, 2018 को छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

रेडियो मिर्ची के प्रोडक्शन हेड अमान रिजवी की विशेष कक्षा 7 फरवरी, 2018 को हुई। इसका विषय था 'एफ.एम. रेडियो की सम्भावनायें एवं रेडियो जॉकी के रूप में भविष्य निर्माण। पर्यटन पत्रकारिता बढ़ावा देने हेतु मिर्जापुर पंचायत लखनिया दरी, चूना दरी, अहरौरा, भन्डारी देवी मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण 24 मार्च, 2018 को किया गया। छात्राओं द्वारा 7 अप्रैल 2018 को अमर उजाला के रोहनिया स्थित प्रिन्टिंग प्रेस का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। 7 अप्रैल, 2018 को अमर उजाला संपादकीय मंडल के साथ छात्राओं का संवाद सत्र अमर उजाला, चाँदपुर मुख्य कार्यालय में आयोजित किया गया। विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्राओं की कुल संख्या 73 रही।

विदाई समारोह

इस सत्र में अवकाश प्राप्त चार वरिष्ठतम प्राध्यापिकाओं डॉ. अन्शुला कृष्णा, मनोविज्ञान विभाग, डॉ. सुषमा जोशी, डॉ. आशारानी चतुर्वेदी एवं डॉ. सरोज बागेश्वर, शिक्षा विभाग एवं श्री नरसिंह प्रसाद, जयनाथ ओझाा, लाल साहब हेतु विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में श्री प्रमोद सिंह, ज्येष्ठ सहायक एवं कुमारी सुजाता, सेमी प्रोफेशनल असिस्टेंट को भी विदाई दी गयी। 25 अप्रैल 2018 को स्नातक एवं परास्नातक, अंतिम वर्ष की छात्राओं हेतु विदाई समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अल्का सिंह ने छात्राओं के मंगलमय भविष्य की कामना की। छात्राओं ने भी अपने अनुभव साझा किये। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

इस सत्र में डा0 प्रीति सिन्हा, अवकाश प्राप्त प्राध्यापिका, दर्शन विभाग का निधन हो गया। महाविद्यालय परिवार ने इस घटना पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मनीषा मिश्रा
सहायक प्राध्यापिका
राजनीति विज्ञान विभाग
वसंत महिला महाविद्यालय